पी एम् श्री केंद्रीय विद्यालय भनाला (गोह्जू)

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA BHANALA

तिमाही समाचार पत्रिका (Quarterly Newsletter)

जुलाई - सितंबर २०२६ (July - September 2026)





प्राचार्य का संदेश

प्रिय विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं सम्मानित अभिभावकों,

अत्यंत हर्ष एवं गर्व का विषय है कि हमारी संस्था के न्यूज़लेटर का नया संस्करण प्रकाशित होने जा रहा है। विद्यालय केवल शिक्षा प्रदान करने का स्थान नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, उनकी प्रतिभा को निखारने और उनमें नए विचारों का बीजारोपण करने का एक सशक्त माध्यम है।

यह न्यूज़लेटर हमारे विद्यार्थियों की उपलब्धियों, रचनात्मकता, नवाचारों और विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की एक सुंदर झलक प्रस्तुत करता है। हमारे शिक्षकों का मार्गदर्शन और विद्यार्थियों का निरंतर प्रयास ही संस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहा है।

आज की तेज़ी से बदलती दुनिया में, केवल किताबी ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है। हमें अपने विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, अनुशासन, और विश्लेषणात्मक सोच का विकास करना होगा, ताकि वे भविष्य की चुनौतियों का सामना दृढ़ता से कर सकें।

मैं न्यूज़लेटर की संपादक टीम, शिक्षकों और उन सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देता हूँ जिन्होंने इसे तैयार करने में अपना योगदान दिया है। मुझे विश्वास है कि यह न्यूज़लेटर आप सभी के लिए प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक सिद्ध होगा।

आप सभी के उज्ज्वल एवं सफल भविष्य की कामना करता हूँ।



मुख्याध्यापिका का संदेश

प्रिय विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकवृंद,

मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि हमारे विद्यालय की नवीनतम पत्रिका (News Letter) आपके सम्मुख प्रस्तुत है। विद्यालय पत्रिका न केवल हमारी गतिविधियों और उपलब्धियों का प्रतिबिंब होती है, बल्कि यह हमारे विद्यार्थियों की रचनात्मकता, विचारों और प्रतिभा को प्रदर्शित करने का एक सशक्त माध्यम भी है।

शिक्षा केवल पुस्तकों और परीक्षाओं तक सीमित नहीं है। इसका वास्तविक उद्देश्य चरित्र निर्माण, नैतिक मूल्यों का विकास और विद्यार्थियों को समाज का एक जिम्मेदार नागरिक बनाना है। हमारे विद्यालय का निरंतर प्रयास रहा है कि हम प्रत्येक छात्र को ऐसा वातावरण प्रदान करें जहाँ वे अपनी अंतर्निहित क्षमताओं को पहचानें और हर क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करें।

मैं अपने सभी प्यारे विद्यार्थियों से कहना चाहती हूँ कि असफलता से डरे बिना निरंतर प्रयास करते रहें, क्योंकि आपकी कड़ी मेहनत और सकारात्मक दृष्टिकोण ही आपको सफलता की ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

मैं इस पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए संपादकीय मंडल, सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देती हूँ।

गतिविधियाँ

English poem recitation helps learners develop language fluency, confidence, and artistic expression.



एकल नृत्य (Solo Dance) भारतीय संस्कृति और प्रदर्शन कला (Performing Arts) का एक अत्यंत समृद्ध और महत्वपूर्ण अंग है। यह केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि व्यक्ति की आंतरिक भावनाओं, कलात्मक कौशल और आध्यात्मिक साधना की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है।



रक्षाबंधन भारत के सबसे पवित्र, सुंदर और प्राचीन त्योहारों में से एक है। यह केवल एक रेशम के धागे या राखी का उत्सव नहीं है, बल्कि भाई-बहन के अटूट स्नेह, विश्वास, त्याग और एक-दूसरे की सुरक्षा के संकल्प का प्रतीक है।



स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) भारत का सबसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व है, जो 1947 में ब्रिटिश हुकूमत से मिली आज़ादी की याद में मनाया जाता है।



करके सीखने (Learning by Doing) का मुख्य महत्व यह है कि यह ज्ञान को केवल रटने के बजाय व्यावहारिऔर स्थायी बनाता है।जब हम किसी काम को खुद अपने हाथों से करते हैं, तो हमारा दिमाग और शरीर दोनों सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।



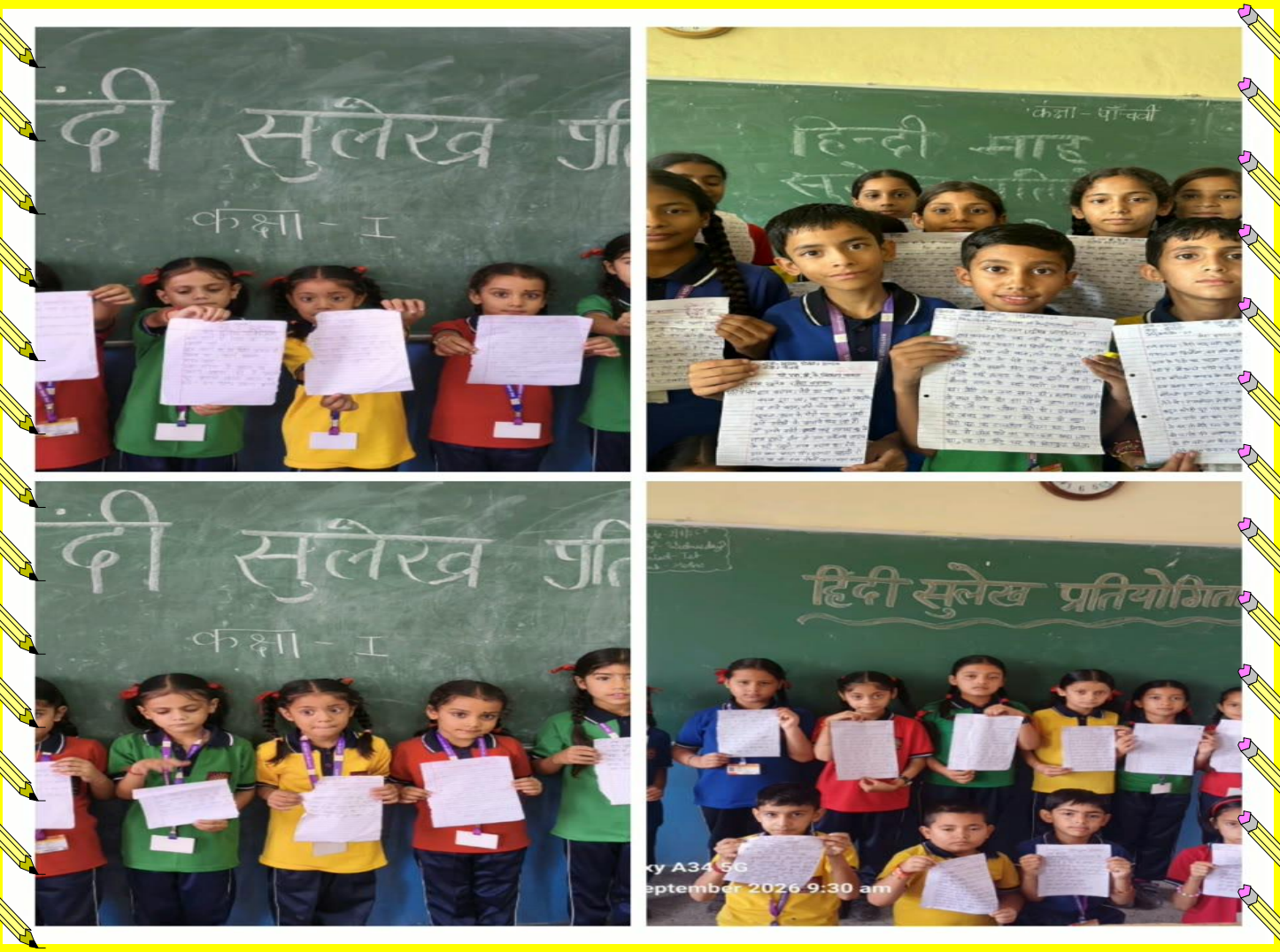








सुलेख (सुंदर लिखावट) का मानव जीवन, शिक्षा और व्यक्तित्व विकास में विशेष महत्व है। आकर्षक और प्रभावपूर्ण: सुंदर और साफ लिखावट पढ़ने वाले पर सकारात्मक प्रभाव डालती है और उत्तर पुस्तिकाओं में बेहतर अंक प्राप्त करने में मदद करती है



श्रीकृष्ण जन्माष्टमी सांस्कृतिक और सामाजिक एकता: झांकियों जैसे आयोजनों के माध्यम से यह त्यौहार समाज में आपसी भाईचारे, उत्साह और एकता को बढ़ाता है।



कहानी वाचन (Storytelling) भाषा सीखने, व्यक्तित्व विकास और कल्पनाशीलता को बढ़ाने का एक अत्यंत महत्वपूर्ण माध्यम है।



(काव्य पाठ)

भावों की अभिव्यक्ति: कविता पाठ से मनुष्य अपनी संवेदनाओं, खुशी, दुख, देशप्रेम और विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त कर पाता है।



आशुभाषण (Extempore) व्यक्ति के मानसिक कौशल, आत्मविश्वास और त्वरित अभिव्यक्ति क्षमता का विकास करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।









स्वच्छता ही सेवा अभियान का मुख्य महत्व समाज में स्वच्छता को एक व्यक्तिगत और सामूहिक आदत बनाना है। यह पहल केवल आस-पास की सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके कई सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी फायदे हैं।










नारा लेखन (Slogan Writing) जनसंचार, प्रचार और सामाजिक जागरूकता का एक अत्यंत शक्तिशाली और प्रभावी माध्यम है। यह कम से कम शब्दों में किसी विचार, संदेश या भावना को लोगों तक पहुँचाने और उनके मन पर गहरा प्रभाव छोड़ने में मदद करता है।









अध्यापक प्रशिक्षण (Teacher Training) शिक्षा प्रणाली की रीढ़ है, जो शिक्षकों को प्रभावी शिक्षण कौशल, विषय ज्ञान और कक्षा प्रबंधन तकनीकों से सक्षम बनाती है।









सामुदायिक भोज का मुख्य महत्व सामाजिक एकता, सद्भावना और समानता को बढ़ावा देना है।



बच्चों को इनाम (पुरस्कार) देने से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे अच्छे कार्य व पढ़ाई करने के लिए प्रेरित होते हैं।










thank
You